पाठ 11

यह कदम्ब का पेड़

आइए सीखें –

- कविता का लय और हावभाव सहित वाचन।
- बाल मनोभावों की अभिव्यक्ति।
- क्रियापदों तथा शब्द–युग्म का प्रयोग।
- शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।

यह कदम्ब का पेड़, अगर माँ होता यमुना तीरे,
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया, बनता धीरे–धीरे।

ले देतीं यदि मुझे बाँसुरी, तुम दो पैसे वाली,
किसी तरह नीची हो जाती, यह कदम्ब की डाली।

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके–चुपके आता,
उस नीची डाली से अम्माँ ऊँचे पर चढ़ जाता।

वहीं बैठ फिर बड़े मजे से बाँसुरी बजाता,
अम्माँ–अम्माँ कह, बंसी के स्वर में तुम्हें बुलाता।

सुन मेरी बंसी को माँ तुम कितनी खुश हो जातीं,
मुझे देखने काम छोड़कर तुम बाहर तक आतीं।

तुमको आती देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता,
एक बार माँ कह पत्तों में धीरे से छुप जाता।

तुम हो चकित देखतीं चारों ओर न मुझको पातीं,
व्याकुल–सी हो तब कदम्ब के नीचे तक आ जातीं।

शिक्षण संकेत – ● हाव–भाव तथा लय के साथ कविता का वाचन कराएँ। ● शिक्षक बच्चों से उनकी माँ के प्रेम, दुलार और स्नेह सम्बन्धों की चर्चा करें।

पत्तों का मरमर स्वर सुन जब ऊपर आँख उठातीं,
मुझे देख ऊपर डाली पर कितनी घबरा जातीं।

गुस्सा होकर मुझे डाँटतीं, कहतीं नीचे आ जा,
पर जब मैं न उतरता हँसकर कहती मुन्ना राजा।

नीचे उतरो मेरे भैया, तुम्हें मिठाई दूँगी।
नए खिलौने, माखन–मिश्री, दूध–मलाई दूँगी।

मैं हँसकर सबसे ऊपर की डाली पर चढ़ जाता,
वहीं कहीं पत्तों में छिपकर, फिर बाँसुरी बजाता।

बहुत बुलाने पर भी माँ जब मैं न उतरकर आता,
माँ, तब माँ का हृदय तुम्हारा, बहुत विकल हो जाता।

तुम आँचल फैलाकर अम्माँ, वहीं पेड़ के नीचे,
ईश्वर से कुछ विनती करतीं बैठी आँखें मीचे।

तुम्हें ध्यान में लगी देख, मैं धीरे–धीरे आता,
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता।

तुम घबराकर आँख खोलतीं, पर माँ खुश हो जातीं,
जब अपने मुन्ना राजा को, गोदी में ही पातीं।

इसी तरह कुछ खेला करते हम–तुम धीरे–धीरे,
यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे।

शिक्षण संकेत – ● कविता का भावार्थ रोचक ढंग से स्पष्ट करें।

सुभद्रा कुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म सन् 1904 (उन्नीस सौ चार) में प्रयाग में हुआ था। राष्ट्रीय आन्दोलनों में भाग लेने के कारण यह सबसे पहले 17 वर्ष की आयु में जेल गयी। देश भक्ति के साथ–साथ बाल साहित्य में इनका बहुत बड़ा योगदान है।

शब्दार्थ

ऊँचे–ऊपर की ओर उठे हुए। चकित–हक्का बक्का, भौंचक्का। व्याकुल–घबराया हुआ, बेचैन। तीरे–किनारे। विकल–व्याकुल, बेचैन। हृदय–दिल, अन्तःकरण।

बोध प्रश्न

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कदम्ब के पेड़ पर बैठकर बालक क्या बनना चाहता था?

(ख) बेटे के पत्तों में छिप जाने पर माँ को कैसा लगता है?

(ग) नीचे उतरने के लिए माँ बेटे को कौन–कौन सी चीजें देने के लिए कहती है?

(घ) माँ को खुश करने के लिए बालक ने क्या तरकीब सोची?

(ङ) माँ गुस्सा होकर बेटे को किसलिए डाँट रही है?

2. नीचे लिखे प्रश्नों के चार–चार सम्भावित उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर के सामने सही का चिह्न लगाइए।

(क) बालक कदम्ब के पेड़ को किस नदी के किनारे चाहता है–

(क) गंगा (ख) नर्मदा

(ग) यमुना (घ) बेतवा

(ख) बालक क्या बजा रहा है?

(क) ढोलक (ख) तबला

(ग) मंजीरा (घ) बाँसुरी

(ग) बाँसुरी के स्वर में बालक किसे बुलाता है?

(क) बहिन को (ख) भाई को

(ग) माँ को (घ) पिता को

(घ) माँ जब घबराकर आँखें खोलकर देखती है तो अपने बेटे को कहाँ पाती है?

(क) पेड़ पर (ख) आँगन में

(ग) गोदी में (घ) नदी किनारे

3. सही जोड़ी बनाइए–

माखन	रोटी
दूध	खिलौने
खेल	मलाई
दाल	मिसरी

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

तीर, व्याकुल, बंशी, चकित, विनती

2. निम्नलिखित शब्दों में (ं) अनुस्वार एवं अनुनासिक (ँ) का सही प्रयोग करते हुए लिखिए–

जैसेः– बाँसुरी, बंसी।

हसना, अक, आचल, मा, डाटती, आख, पख

3. उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे वाक्यों को पूरा कीजिए –

जैसे – ''अगर यह कदम्ब का पेड़ यमुना के किनारे होता, तो मैं भी उस पर बैठकर धीरे–धीरे कन्हैया बन जाता।''

(क) अगर मुझे साइकिल मिल जाती तो ––––––––––––––––––––––

––

––

(ख) यदि मैं मेला देखने गई/गया तो ––––––––––––––––––––––––––

––

––

(ग) अगर बरसात नहीं हुई तो –––––––––––––––––––––––––––––

––

––

(घ) यदि पौधे नहीं होते तो ––––––––––––––––––––––––––––––

––

––

5. नीचे दी हुई, कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए –

- तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं ––––––––––––– आता।
- मैं ––––––––––– सबसे ऊपर की डाली पर चढ़ जाता।
- तुम –––––––––– आँख खोलती, पर माँ खुश हो जाती।
- ––––––––––––– होकर मुझे डाँटती, कहती नीचे आ जा।
- तुमको आती देख बाँसुरी रख मैं –––––––––– हो जाता।

योग्यता विस्तार

- नदी और पेड़ पर, कोई अन्य कविताएँ खोजिए और याद कर कक्षा में सुनाइए।
- कविता को गाते हुए अभिनय कीजिए।